मासिक ई-समाचार पत्रिका

सितम्बर-2022

डॉ० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर-848 125, बिहार

डॉ. कृष्ण कुमार
माननीय कुलपति

खंड–3, अंक–09
सितम्बर, 2022

संरक्षक:
डॉ. कृष्ण कुमार
माननीय कुलपति

संकलन एवं संपादन:
डॉ. राकेश मणि शर्मा
पी. कु. प्रणव
एम.एल. मीणा
कुमारी सपना
आशीष कुमार पंडा
सुधा नंदनी
गुप्तनाथ त्रिवेदी

तकनीकी सहयोग:
मनीष कुमार
कामदेव कुमार पाल

मुद्रण:
प्रकाशन प्रभाग
डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा

संपर्क:
www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

माननीय कुलपति महोदय का सन्देश

प्रिय पाठकों,

आज जब हम अगस्त 2022 के महीने में स्वतंत्रता के अपने 75वें वर्ष में आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तो मुझे "स्वच्छता" विषय पर अपने विचार साझा करते हुए हर्ष और गर्व की अनुभूति हो रही है। व्यक्ति के जीवन में स्वच्छता के महत्व को संदर्भित करती लोकोक्ति "स्वच्छता ईश्वरत्व का हीं एक निकटतम प्रारूप है, एवं इश्वरत्व की प्राप्ति करने जैसा है" का तात्पर्य यह है कि हम जितनी श्रद्धा से धर्म का पालन करते हैं, उसी प्रकार हमें स्वच्छता को भी अपनाने की आवश्यकता है। बाह्य स्वच्छता से शरीर, मन और आत्मा में स्वच्छता की भावना स्थापित होगी और सभी को स्वच्छता के प्रति जागरूकता फ़ैलाने के लिए प्रोत्साहित करेगी। हम जो कुछ भी करते हैं या करने का प्रयास करते हैं, उसमें हमारे विचारों की शुद्धता स्वतः ही स्वच्छता को बनाए रखने के हमारे प्रयासों को उद्धित करती है।

मेरे विचार में, इसका तात्पर्य न केवल हमारे भौतिक परिवेश, कार्य स्थलों, उपकरणों और प्रयोगशालाओं की सफाई से है, बल्कि हमारी गतिविधियों के हर क्षेत्र यथा प्रशासन, शिक्षा, अनुसंधान या प्रसार में हमारे विचारों और कार्यो की पारदर्शिता और शुद्धता से है। विश्वविद्यालय में स्वच्छता बनाये रखने से ना सिर्फ हम माननीय प्रधान मंत्री द्वारा निर्धारित "स्वच्छ भारत मिशन" के लक्ष्य को साकार करने में योगदान देंगे बल्कि स्वच्छता के परम पुजारी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के आगामी वर्षगाँठ के लिए विश्वविद्यालय की तरफ से यह एक उपयुक्त श्रद्धांजलि भी होगी।

यह मेरा दृढ़ विश्वास है कि यदि हम स्वच्छता के इस सिद्धांत को अपनाते और अभ्यास करते हैं और लक्ष्य बनाकर कार्यो को संरेखित करते हैं तो हम इस विश्वविद्यालय को अकादमिक और अनुसंधान उत्कृष्टता के दृष्टिकोण से एक समृद्ध जगह बनाने में अवश्य कामयाब होंगे।

समस्त विश्विद्यालय परिवार को मेरी ओर से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जय हिन्द !

माननीय कुलपति महोदय का संलग्नता

- दिनांक 01.08.2022 को श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में रेपसीड-सरसों पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की 29वीं वार्षिक समूह बैठक में भाग लिया।
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा के प्रबंधन बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 05.08.2022 को पंचतंत्र हॉल, पूसा में मशरूम प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह की अध्यक्षता की।
- दिनांक 06.08.2022 को राजगीर में भा.कृ.अनु.प-अटारी, जोन-IV, पटना के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र हेतु 5वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।
- दिनांक 08.08.2022 को भा.कृ.अनु.प.-अटारी, कानपुर में "दलहन फसल में पौध संरक्षण उपाय" पर बैठक की अध्यक्षता की।
- दिनांक 10.08.2022 को वर्चुअल मोड के माध्यम से प्राकृतिक खेती पर पाठ्यक्रम विकास के विषय पर कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 12.08.2022 को हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभात फेरी तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में पूसा प्रशासनिक भवन से सैदपुर पुल एवं पुनः वापसी तक की यात्रा में भाग लिया।

- दिनांक 13.08.2022 को हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रभात फेरी टाउन हॉल मोतिहारी से बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन तक की तिरंगा यात्रा कार्यक्रम, मोतिहारी में भाग लिया।
- दिनांक 13.08.2022 को केन्द्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, दरभंगा द्वारा आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव पर फोटो प्रदर्शनी सह जागरूकता अभियान कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यापति सभागार में किया।

- दिनांक 13-08-2022 को केन्द्रीय विद्यालय, पूसा में क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।
- स्वतंत्रता दिवस समारोह दिनांक 15.08.2022 के अवसर पर झंडोतोलन एवं विश्वविद्यालय परिवार के समक्ष संबोधन ज्ञापन किया।
- दिनांक 15.08.2022 को सांस्कृतिक संध्या "हर घर तिरंगा" थीम पर विश्वविद्यालय के छात्रों एवं सूचना प्रसारण मंत्रालय के कलाकारों द्वारा एवं फोटो प्रदर्शनी का पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता की।
- दिनांक 16.08.2022 को डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा के पूर्व कुलपति एवं पूर्व डी.डी.जी (बागवानी) डॉ. एच. पी. सिंह, द्वारा दिए गए "खाद्य और पोषण सुरक्षा और आजीविका विकल्पों के लिए जल उत्पादकता वृद्धि" विषय पर व्याख्यान में भाग लिया।
- विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 20.08.2022 को शस्य विज्ञान विभाग, डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा द्वारा गाजरघास (पार्थेनियम) उन्मूलन अभियान के लिए जागरूकता रैली की अध्यक्षता की।
- दिनांक 21.08.2022 को जागृति कला केन्द्र, लालगंज जिला- वैशाली द्वारा आयोजित केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान से प्रशिक्षित प्रशिक्षणार्थियों के प्रमाण पत्र वितरण समारोह कार्यक्रम के उद्घाटन में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
- दिनांक 22.08.2022 को पंचतंत्र हॉल, पूसा में "मशरूम उत्पादन और प्रसंस्करण" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

- दिनांक 22-08-2022 को विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी समिति की बैठक की अध्यक्षता की
- दिनांक 23.08.2022 को कृषि विज्ञान केंद्र, जाले दरभंगा में एक दिवसीय कार्यक्रम "उद्यमियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम" का उद्घाटन किया
- दिनांक 29.08.2022 को नई दिल्ली में ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस (टी.ए.ए.एस) द्वारा आयोजित "खाद्य, पोषण और पर्यावरण सुरक्षा: एस.डी.जी हासिल करने की ओर" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- दिनांक 31.08.2022 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नाराकस), समस्तीपुर के बैठक का उद्घाटन पंचतंत्र सभागार में किया।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- **दिनांक 4-5 नवंबर 2022 के दौरान गोल्डन एलुमनी एसोसिएशन की बैठक**

  डॉ रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा द्वारा दिनांक 4-5 नवंबर 2022 के दौरान पूर्व छात्र बैठक आयोजित की जा रही है। मुख्य और संबद्ध परिसर के सभी पूर्व छात्रों (पुराने छात्रों) को आयोजन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। बैठक के संबंध में विवरण विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर एक सूचना विवरणिका के रूप में जारी और प्रकाशित किया गया है। जिसका पंजीकरण लिंक यहां दिया गया है -

  http://forms.gle/qNgZ1Dx8VEL4VhpP6.

- **सीआरए के पदाधिकारियों ने दिनांक 8-9 अगस्त 2022 के दौरान बीआईएसए** (दक्षिण एशिया के बोरलॉग संस्थान), पूसा, समस्तीपुर में दो दिनों के "स्मार्ट फार्म प्लस" प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर प्रोग्राम के तहत आयोजित, "स्मार्ट फार्म प्लस" किसानों के डेटा बेस का पता लगाने के लिए सीआरए प्रोग्राम के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक एक मोबाइल एप्लिकेशन है। सीआरए कार्यक्रम के 22 परियोजना कर्मचारियों (आरए, एसआरएफ और टीओ) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

- **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली,** (रा.प्र.के.कृ.वि.) की एनएसएस यूनिट ने भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत 02 से 16 अगस्त, 2022 तक प्रभात फेरी और स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया। कॉलेज के छात्रावास, परिसर और अन्य आधारभूत संरचना को साफ करने के लिए शिक्षण संकाय, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों ने गतिविधियां कीं।.

- **रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा अध्ययन टूर-कम-प्रैक्टिकल एक्सपोजर विजिट्स:** बीटेक के कुल 40 छात्र (कृषि अभियांत्रिकी) एम.टेक और पीएचडी (प्रसंस्करण और खाद्य अभियांत्रिकी) वैज्ञानिकों, पीएफई, सीएईटी, पूसा के नेतृत्व में दिनांक 24-08-2022 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (सुधा डेयरी) बरौनी का दौरा किया। प्रैक्टिकल एक्सपोजर सह अध्ययन दौरे के तहत उन्होंने सुधा डेयरी के दूध प्रसंस्करण संयंत्र, उत्पाद विकास इकाई और एकीकृत कृषि इकाई का अवलोकन किया। सुधा डेयरी के एमडी सुनील रंजन मिश्रा ने छात्रों को डेयरी उद्योग में हुए विकास के बारे में संबोधित किया।.

- **मत्स्यकी महाविद्यालय:** पीएच.डी. (द्वितीय सेमेस्टर), एम.एफ.एससी. (द्वितीय सेमेस्टर) और सर्टिफिकेट कोर्स के छात्रों ने 8 अगस्त 2022 को आयोजित जिला खगड़िया, बिहार में मछली बाजार, चौर, मौन, बायोफ्लोक यूनिट, केज कल्चर यूनिट और जिला मत्स्य अधिकारी (डीएफओ) कार्यालय का दौरा किया, जबकि बी.एफ.एससी. (द्वितीय सेम.) छात्रों ने 20 अगस्त 2022 को जिला भागलपुर और बांका में डॉ नसीम के आधुनिक हैचरी एंड रिसर्च फार्म, फिश कोल्ड स्टोरेज, हैचरी यूनिट और जगतपुर झील का दौरा किया।

- **पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा छात्रों को 100% प्लेसमेंट**

'एग्री-वेयरहाउस मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा कोर्स' के प्रथम बैच के सभी छात्रों को निजी फर्मों में 100% प्लेसमेंट मिला है। छात्रों को कृषि-भंडार क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों - एनसीएमएल, आर्या, सिनजेंटा, गो ग्रीन, समुन्नति, आदि में नौकरी दी गई और दो छात्रों ने समस्तीपुर में अपनी एफपीओ 'एग्रीटेरिया फार्मर्स प्रोड्यूसर्स कंपनी' शुरू की। यह विश्वविद्यालय द्वारा संचालित और डॉ. अंबरीश कुमार, डीन सीएईटी और डॉ. विशाल कुमार, पाठ्यक्रम समन्वयक के नेतृत्व में संचालित इस पाठ्यक्रम की सफलता दर को दर्शाता है।

- **मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली में वर्ष 2022** के लिए व्यावसायिक मत्स्य स्नातक फोरम (पीएफजीएफ) के भारत के सर्वश्रेष्ठ मत्स्य स्नातक (बीएफजीआई) पुरस्कार के लिए कुल 27 छात्रों ने अंतिम वर्ष बी.एफ.एससी परीक्षा में भाग लिया।

- **सुश्री तनिष्का चौधरी, बी.एफ.एससी. छात्र** (बैच: 2020-2024) ने रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में 75वीं स्वतंत्रता के अवसर पर आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता।

अनुसंधान गतिविधियाँ

✈ रेपसीड और सरसों की वार्षिक समूह बैठक

रेपसीड और सरसों पर भा.कृ.अनु.प.-अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली से जुड़े वैज्ञानिकों, ने दिनांक 1 से 3 अगस्त, 2022 तक एसकेएनएयू, जोबनेर, राजस्थान में आयोजित 29वीं एजीएम-रेपसीड और सरसों श्रमिकों में भाग लिया। माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. अनिल पांडे, प्रोफेसर-सह-मुख्य वैज्ञानिक को रेपसीड और सरसों में उनके सराहनीय शोध कार्य के लिए सम्मानित भी किया गया।

✈ **निदेशक अनुसंधान द्वारा अनुसंधान परियोजना की निगरानी-** 29 अगस्त 2022 को तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली परिसर में चल रहे विश्वविद्यालय वित्त पोषित चावल के परियोजना की निगरानी की गई। यात्रा के दौरान अधिष्ठाता तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली, निदेशक, बीज एवं प्रक्षेत्र और सभी संबंधित वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

✈ **मधुमक्खी पालन पर प्रशिक्षण आयोजित -** दिनांक 22 से 27 अगस्त, 2022 तक मधुमक्खी पालन केंद्र, कीट विज्ञान विभाग के द्वारा "मधुमक्खी पालन" पर छह दिवसीय स्व-वित्त प्रशिक्षण का आयोजन मधुमक्षिका-पालनगृह में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता (स्नातकोत्तर कृषि महाविद्यालय) ने की। कुल मिलाकर बिहार और यूपी के विभिन्न जिलों से 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

✈ विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में नया परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत

दिनांक 25 अगस्त, 2022 को चितकारा विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में विश्वविद्यालय प्रणाली में प्रौद्योगिकी सक्षम केंद्र के लिए ,अधिष्ठाता, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रोद्यौगिकी महाविद्यालय द्वारा अनुसंधानकर्ताओं की टीम के साथ एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया जिसका शीर्षक "सटीक कृषि खेती के लिए मांग संचालित प्रौद्योगिकी सक्षम केंद्र" से वित्त पोषण के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली के तत्वाधान में प्रस्तुत किया गया।

✈ मशीनीकरण प्रशिक्षण

बिहार सरकार के कौशल विकास कार्यक्रम के तहत आयोजित "कृषि मशीनरी सेवाएं और रखरखाव तकनीशियनों" के लिए दो, 26-दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का उद्घाटन फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय में क्रमशः दिनांक 16 और 19 अगस्त 2022 को किया गया। बेगूसराय और वैशाली जिलों के पचास प्रतिभागीयों ने दोनों कार्यक्रमों में भाग लिया। प्रत्येक प्रशिक्षु को टूल किट और प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि मशीनरी और उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव के लिए एक सेवा प्रदाता बनाना था।

✈ संयुक्त निदेशक मशीनीकरण बिहार सरकार का दौरा

जेपी नारायण, सयुंक्त. निदेशक मशीनीकरण, कृषि विभाग, बिहार सरकार के कृषि मशीनरी परीक्षण केंद्र की प्रगति और "सेवा और रखरखाव तकनीशियन - कृषि मशीनरी" पर चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम की समीक्षा के लिए कृषि अभियांत्रिकी एवं प्राद्यौगिकी महाविद्यालय का दौरा किया।.

माह के प्रकाशन

क्र.	लेखक/महाविद्यालय का नाम	शोध पत्र का शीर्षक	पत्रिका/पुस्तक का नाम
1.	**अभिषेक राज** (प.दी.द.उप.उ एवं वा. महा., पिपरा कोठी)	Hydrogeochemistry and groundwater quality assessment in Ambagarh Chowki, Chhattisgarh, India	Environmental Monitoring and Assessment" Springer (Impact factor- 3.30)
2.	**अभिषेक राज** (प.दी.द.उप.उ एवं वा महा., पिपरा कोठी)	Forest for soil, food, and climate Asia" and Urban Greening towards Sustainable Development and Sustainability	Biodiversity, Conservation and Sustainability in Asia, Vol. 2; South and Middle Asia by M. Öztürk, Khan, S.M., Altay, V., Efe, R., Egamberdieva, D. and Khassanov, F.O. (Eds.).
3.	**मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली**	Effect of HUFA and vitamin C-enriched live food, Infusoria on growth and survival of Clarias Magur (Hamilton, 1822) larvae	Aquaculture Research

प्रसार गतिविधियाँ

✈ कृषि विज्ञान केंद्र, बेगूसराय में

- **30 अगस्त, 1992 को कृषि विज्ञान केंद्र** की स्थापना के उपलक्ष्य में दिनांक 1 अगस्त, 2022 को स्थापना दिवस मनाया गया । देरी मानसून के प्रभाव को कम करने में जलवायु अनुकूल कृषि प्रौद्योगिकियों की भूमिका' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ. एम.एस. कुंडू, और मुख्य अतिथि निदेशक, अनुसंधान डॉ. पी.एस. ब्रह्मानंद का औपचारिक स्वागत भाषण के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, बेगूसराय और प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा सीआरए कार्यक्रम के प्रायोजन के तहत किया गया। बेगूसराय जिले के विभिन्न गांवों के 150 से अधिक किसान, एफपीओ और राज्य एग्रील के प्रतिनिधियों ने संगोष्ठी में भाग लिया।

- **ग्राम मुशहरी के प्रगतिशील किसान श्री महतो जी** के पपीते के बाग में 'जैविक पपीते पर खेत दिवस' का आयोजन किया गया। डॉ. राम पाल, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, बेगूसराय ने इस अवसर पर जैविक पपीते की खेती के बारे में विस्तार से बताया। आई/सी, पीएस-खोदावंदपुर, सीडीपीओ, खोदावंदपुर, एसएमएस (बागवानी), सागी और दौलतपुर के ग्राम प्रधानों सहित कई प्रगतिशील किसानों सहित कई अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित थे।

- **सात दिवसीय 'ग्रामीण युवा प्रशिक्षण'** का आयोजन "डेयरी फार्म इस्टैब्लिशमेंट एंड इट्स मैनेजमेंट" पर विषय वस्तु विशेषज्ञ (पशुचिकित्सा विज्ञान) द्वारा किया गया जिसमें लगभग 35 ग्रामीण युवाओं ने भाग लिया। विषय वस्तु विशेषज्ञ (पशुचिकित्सा विज्ञान) ने बिहार की स्थिति के लिए उपयुक्त विभिन्न पशु नस्लों, पशु शेड डिजाइन प्रबंधन और अन्य संबंधित विषयों पर व्याख्यान दिया।

✈ कृषि विज्ञान केंद्र, शिवहर

- **विषय वस्तु विशेषज्ञ (मत्स्य पालन)** के नेतृत्व में दिनांक 3-5 अगस्त, 2022 तक आधुनिक मत्स्य और कुक्कुट पालन तकनीक पर तीन दिवसीय आरवाई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- **सीप मशरूम की खेती और आईएफएस** पर क्रमशः एसएमएस (पौधा संरक्षण) और एसएमएस (फसल उत्पादन) के नेतृत्व में जिला मुख्यालय पर तीन दिवसीय ऑफ-कैंपस आरवाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिवहर में जेल कैदियों को उनके जीवन स्तर में सुधार करने और समाज में खुद को फिर से एकीकृत करने के लिए उल्लिखित विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।
- **पार्थेनियम जागरूकता पहल** के संयोजन में ग्राम हरनाही (पूर्व), शिवहर में 22 अगस्त 2022 को किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पैंतालीस किसानों ने भाग लिया और पार्थेनियम के खतरनाक प्रभावों से अवगत कराया। 18 अगस्त, 2022 को सुंदरपुर कहरौना में एक और किसान गोष्ठी का आयोजन केवीके के वैज्ञानिक कर्मचारियों के साथ डीएम, शिवहर, और कृषि विभाग, शिवहर के अधिकारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया और किसानों की कई समस्याओं के समाधान पर काम किया।

✈ कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज

- **वैज्ञानिक सलाहकार समिति के बैठक का आयोजन**

माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा की अध्यक्षता में एवं डॉ पी पी श्रीवास्तव, अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली के प्रतिनिधित्व में चौथी वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) की बैठक का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक प्रसार शिक्षा, डॉ एम एस कुंडू ने भाग लिया। वर्ष 2022-23 के लिए कार्य योजना को अंतिम रूप देने के लिए गणमान्य व्यक्तियों ने बहुमूल्य सुझाव दिए। कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज के प्रधान डॉ. आर.पी. सिंह ने तृतीय सैक बैठक की कार्यवाही एवं वर्ष 2021-22 की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की।

- **कृषि विज्ञान केंद्र, नरकटियागंज** में दिनांक 4 अगस्त 2022 को "किसानों के लिए पशुपालन लाभदायक है" विषय पर ई-किसान चौपाल का आयोजन किया गया जिसमें सौ से अधिक किसानों ने भाग लिया। डॉ. आलोक के पांडे, विश्वविद्यालय प्राध्यापक., बी.ए.यू., रांची, डॉ. प्रिया रंजन कुमार, सहायक प्राध्यापक., बी.ए.यू., रांची और विषय वस्तु विशेषज्ञ- पशु चिकित्सा, केवीके, नरकटियागंज ने अतिथि व्याख्यान दिया। सत्र के दौरान भाग लेने वाले किसानों ने भी अपने प्रश्न उठाए जिनका वक्ताओं ने जवाब दिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. एम.एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि. और डॉ अनुपमा कुमारी, सहायक निदेशक प्रसार शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि. ने की जहां उन्होंने किसानों को डेयरी फार्मिंग के लाभों के बारे में बताया।

- **कृषि विज्ञान केंद्र , बिरौली** ने दिनांक 05.08.2022 को वर्ष 2021-22 के लिए 15वीं सैक(एस ए सी) बैठक का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता डॉ. एम.एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा ने की। कार्यक्रम में अनिवार्य प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और वर्ष 2022-23 के लिए कार्य योजना को उचित विचार-विमर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया। डॉ. के.के. सिंह, अध्यक्ष, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, पूसा, डीएओ, समस्तीपुर और संबंधित विभागों के अन्य आधिकारिक प्रतिनिधियों और जिले के प्रगतिशील किसानों ने बैठक में भाग लिया।

कृषि विज्ञान केंद्र, वैशाली

- दिनांक 3-4 अगस्त, 2022 के दौरान केले के रेशे से हस्तशिल्प निर्माण विषय पर जीविका दीदी के लिए विषय वस्तु विशेषज्ञ, गृह विज्ञान के नेतृत्व में दो दिवसीय ऑन कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्री यशपाल मीणा, डीएम, वैशाली ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की और डॉ सुनीता कुशवाह, वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र की प्रगति के बारे में जानकारी दी, इस कार्यक्रम में कुल 39 जीविका दीदी ने भाग लिया। दिनांक 16-22 अगस्त, 2022 के दौरान पार्थेनियम जागरूकता सप्ताह मनाया भी गया। जागरूकता सप्ताह के तहत पूसा डीकंपोजर का उपयोग करके पार्थेनियम से खाद तैयार करने के साथ-साथ पार्थेनियम के नियंत्रण के लिए जागरूक भी किया गया तथा पर फसल उत्पादन पर विषय वस्तु विशेषज्ञ द्वारा एक दिवसीय कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

कृषि विज्ञान केंद्र, सुखेत मधुबनी II

- दिनांक 16-22 अगस्त 2022 तक पार्थेनियम उन्मूलन जागरूकता सप्ताह के दौरान किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता माननीय पूर्व मंत्री सांसद हुकमदेव नारायण यादव जी ने की। उन्होंने किसानों और किसान महिलाओं (140) के साथ बातचीत की और वैज्ञानिक खेती के महत्व पर प्रकाश डाला और कृषि विज्ञान केंद्र सुखेत द्वारा संचालित गतिविधियों की प्रशंसा की।
- कृषि में जलवायु परिवर्तन योजना के तहत धान में आईएनएम (INM) पर किसानों और किसान महिलाओं के लिए 3 दिवसीय ऑन कैंपस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें जलवायु परिवर्तन योजना द्वारा गोद लिए गए लाभार्थियों के 43 किसानों और कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केंद्र, तुर्की

- 23 किसानों और कृषक महिलाओं को बाजरे की किस्म (आरएयू-8) दिखाने के लिए 26 अगस्त 2022 को फील्ड डे सह किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र की टीम ने पोषक तत्वों से भरपूर भोजन और सामाजिक-आर्थिक स्थिति में वृद्धि के लिए बाजरा उगाने के लिए किसानों को संबोधित किया। इस आयोजन में जीरो टिलेज तकनीक से बाजरे की बुआई और गोद लिए गए किसानों के खेत द्वारा उत्पादित फिंगर बाजरे के अच्छी गुणवत्ता वाले जैविक बीज का प्रदर्शन किया गया।.
- उर्वरक इनपुट डीलरों के लिए दिनांक 30 अगस्त 2022 को 15 दिवसीय आईएनएम (I N M) प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया. इस समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. एम.एस. कुंडू, निदेशक प्रसार शिक्षा, विशेष अतिथि डॉ. पी.एस. ब्रह्मानंद, निदेशक, अनुसंधान, डॉ. ए.के. सिंह अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय ढोली, डॉ. पी.पी. श्रीवास्तव अधिष्ठाता, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली और डॉ. पी.पी. सिंह निदेशक, बीज एवं प्रक्षेत्र, ढोली ने प्रतिभागियों को मिट्टी की उर्वरता में सुधार के लिए उर्वरक के संतुलित उपयोग के महत्व के बारे में संबोधित किया।

✈ विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रो में सेमिनार / कार्यशाला / संगोष्ठी / का आयोजन।

राजगीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर (आरआईसीसी), राजगीर (नालंदा) में 6-8 अगस्त 2022 तक 5वीं वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन भाकृअनुप-अटारी, पटना द्वारा मुख्य अतिथि माननीय उप महानिदेशक (कृषि प्रसार), भाकृअनुप, कृषि भवन, नई दिल्ली, विशेष अतिथि डॉ. कृष्ण कुमार, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा, डॉ. रामेश्वर सिंह माननीय कुलपति, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, डॉ रणधीर सिंह एडीजी (कृषि प्रसार) और डॉ आर.के. मलिक समन्वयक सीआईएमएमवाईटी, नई दिल्ली ने किया। इस कार्यशाला में जोन IV के अंतर्गत सभी कृषि विज्ञान केन्द्रो ने अपनी वार्षिक प्रगति रिपोर्ट 2021 और कार्य योजना 2022-23 प्रस्तुत की।.

✈ प.दी.द.उप.उ एवं वा. महा., पिपरा कोठी, मोतिहारी में स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन

कार्यक्रम "स्वच्छता पखवाड़ा" दिनांक 1-15 अगस्त, 2022 के दौरान प.दी.द. उप.उ एवं वा. महा., पिपराकोठी, मोतिहारी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन अधिष्ठाता और प्राध्यापक डॉ आर के झा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर समस्त छात्र-छात्राएं, शिक्षण एवं शिक्षकेतर कर्मी मौजूद थे। डॉ कृष्ण कुमार, माननीय कुलपति, रा.प्र.के.कृ.वि.पूसा ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और महाविद्यालय के सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को संबोधित किया।.

अवार्ड, खेल और अन्य गतिविधियाँ

✈ सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार

स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त 2022 के अवसर पर डॉ. अब्दुस सत्तार, सह-प्राध्यापक. (एग्रो-मेट), सेंटर फॉर एक्सीलेंस ऑन क्लाइमेट चेंज ने माननीय कुलपति, डॉ कृष्ण कुमार, रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा से सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार प्राप्त किया। शोध पत्र का शीर्षक "भारत के मध्य गंगा के मैदानों में मॉडलिंग के माध्यम से जलवायु अनुकूल चावल-गेहूं उत्पादन प्रणाली" था। यह " **थेरॉयटिकाल एंड एप्लाइड क्लेइमेटोलॉजी** " पत्रिका में प्रकाशित हुआ। डॉ. विशाल कुमार को 'शुगरटेक' पत्रिका में प्रकाशित 'ऑप्टिमाइजेशन ऑफ़ रेडी टू यूज़ बायो-क्लैरिफिकेंट मिक्सचर फॉर प्रोडक्ट ऑफ़ क्वालिटी जागरी' शीर्षक वाले पेपर के लिए और डॉ. मनीष कुमार को सुपेरियरिटी ऑफ़ डाटा ड्रिवेन टेक्निक्स फॉर एस्टिमेशन ऑफ़ पैन ईवपोरशन' जो एटमॉस्फियर जर्नल में प्रकाशित हुआ के लिए सम्मानित किया गया।

✈ **प.दी.द.उप.उ एवं वा. महा., पिपरा कोठी,** के छात्रों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डॉ रा.प्र.के.कृ.वि., पूसा में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। डॉ. कृष्ण कुमार, माननीय कुलपति, ने सभी छात्रों को बधाई दी और उनके समर्पण एवं कड़ी मेहनत की प्रशंसा की।

✈ बी.टेक (कृषि अभियांत्रिकी) छात्रों का विदाई (2018 बैच) और फ्रेशर (2021बैच) समारोह में 16 अगस्त, 2022 को डॉ. एस.आर. चौधरी, अधिष्ठाता, आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय मुख्य अतिथि के रूप में और डॉ पी.ऐस. ब्रह्मानंद, निदेशक अनुसंधान, रा.प्र.के.कृ.वि. एवं सभी संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के उपस्थिति में मनाया गया।

✈ **डॉ. शिवेंद्र कुमार, सह-प्राध्यापक, मत्स्यकी महाविद्यालय, ढोली** ने दूरदर्शन बिहार पर "मत्स्यपालन मैं कैसे करें बेहतर आहार प्रबंधन" विषय पर टीवी वार्ता दी।

✈ **मिस हिबा जैस्मीन वी,** स्नातक मत्स्य विज्ञान (बी.एफ.एससी.), बैच 2018-22 को वर्ष 2022-24 के लिए एक प्रतिष्ठित फेलोशिप, इरास्मस मुंडस ज्वाइंट मास्टर्स इन एक्वाकल्चर, एनवायरनमेंट एंड सोसाइटी (एसीईएस), हाइलैंड्स एंड आइलैंड्स, स्कॉटलैंड, क्रेते विश्वविद्यालय, ग्रीस, नैनटेस विश्वविद्यालय, फ्रांस और रेडबौड विश्वविद्यालय, नीदरलैंड के द्वारा संयुक्त रूप से सम्मानित किया गया है।